श्रीः।

भक्तमाल

अर्थात्

भक्तकल्पद्रुम

लेखक

श्रीप्रतापसिंह

सम्पादक

स्वर्गीय पंडित कालीचरणजी चौरासिया गौड़

लखनऊ

केसरीदास सेठ द्वारा

नवलकिशोर प्रेस में मुद्रित और प्रकाशित

सन् १९२६ ई०

ग्यारहवीं बार] [२००० प्रतियाँ